RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : रविवार 09 जुलाई 2023 वर्ष 05 अंक 77 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में सरकार के आदेश के बाद बीएमसी ने
40 अवैध स्कूलों को बंद कर दिया

ऐसे स्कूलों को बंद करने के लिए कुछ महीने पहले पारित राज्य सरकार के आदेश के बाद बीएमसी ने मुंबई में लगभग 40 अवैध स्कूलों को बंद कर दिया है। बीएमसी ने राज्य सरकार के आदेश का पालन करते हुए शहर के सभी 240 अवैध स्कूलों को साल शुरू होने से पहले बंद करने का निर्देश दिया था और कहा था कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो वह शहर के शेष 170 अवैध संस्थानों के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सकती है। बंद करना।

सरकारी नियम कहते हैं कि स्कूलों के पास 5,000 वर्ग फुट का क्षेत्र, 20 लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि और 30 साल का भूमि अनुबंध होना चाहिए। राज्य सरकार ने इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और मई में महाराष्ट्र के सभी स्थानीय निगमों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध स्कूलों को बंद करने और यदि आवश्यक हो तो ऐसे स्कूल मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। बीएमसी ने छात्रों को नजदीकी स्कूलों में समायोजित करने के प्रयास किए हैं 80 से अधिक अवैध स्कूल मानखुर्द, चेंबूर, गोवंडी, कुर्ला, मलाड और कांदिवली में हैं। हालाँकि, रिपोर्टों के अनुसार, चर्चगेट, कोलाबा, बायकुला, मझगांव, प्रभादेवी, खार और वर्ली में कोई अवैध स्कूल नहीं है, और बीएमसी ने सभी मानदंडों को पूरा करने वाले नजदीकी स्कूलों में छात्रों को समायोजित करने के प्रयास किए हैं। ''हर नियम को पूरा करना संभव नहीं'' एक अधिकारी ने कहा, ''कई अवैध स्कूल यह कहकर कार्रवाई से छूट मांग रहे हैं कि मुंबई में हर नियम को पूरा करना संभव नहीं है।''

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 और ठाकरे गुट के 14 MLA को नोटिस जारी...
अयोग्यता पर मांगा जवाब !

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से जारी सियासी उथल-पुथल के बीच महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को नोटिस जारी किया है। विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 विधायकों और उद्धव ठाकरे गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर विधानसभा सदस्यता से अयोग्यता पर जवाब मांगा गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब नार्वेकर ने एक दिन पहले बयान दिया था कि उन्हें भारत निर्वाचन आयोग से शिवसेना के संविधान की एक प्रति मिल गई है और मुख्यमंत्री शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर सुनवाई जल्द शुरू होगी। नार्वेकर ने कहा, 'एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना गुट के 40 विधायकों और उद्धव ठाकरे खेमे के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर अयोग्यता पर जवाब मांगा गया है। इस सप्ताह की शुरूआत में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर उससे विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। विधायक सुनील प्रभु ने अविभाजित शिवसेना के मुख्य सचेतक के रूप में पिछले साल उस वक्त शिंदे और अन्य 15 विधायकों के खिलाफ विधानसभा सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने की याचिका दायर की थी, जब शिंदे गुट ने विद्रोह किया था और जून 2022 में राज्य में नई सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाया था। शीर्ष अदालत ने 11 मई को अपने फैसले में कहा था कि एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। अदालत ने कहा था कि वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को बहाल नहीं कर सकती, क्योंकि शिंदे के विद्रोह के मद्देनजर शिवसेना नेता ने शक्ति परीक्षण का सामना किए बिना इस्तीफा देने का फैसला किया था।

महाराष्ट्र में छिड़े सियासी घमासान के बीच आदित्य ठाकरे का बड़ा दावा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में एनसीपी नेता अजित पवार की सियासी बगावत के बाद से ही राज्य के राजनीतिक गलियारों में उठापटक का दौर जारी है. अब इसी बगावत पर यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने बड़ा दावा किया है. आदित्य ने कहा, बीजेपी के एनसीपी के साथ गठबंधन करने के बाद एकनाथ शिंदे से सीएम पद से इस्तीफा देने को कहा गया है. आदित्य ठाकरे ने यह दावा ऐसे समय पर किया है जब अजित पवार के महाराष्ट्र सरकार में आने से शिंदे खेमे में अनबन और बीजेपी की तरफ से दरकिनार किए जाने की खबरें सामने आई हैं. आदित्य ने कहा, ''मैंने सुना है कि सीएम (एकनाथ शिंदे) को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है और इस वजह से महाराष्ट्र सरकार में कुछ बदलाव हो सकते है.''

कहा- सीएम शिंदे से मांगा गया इस्तीफा...

फडणवीस ने किया फूट की खबरों का खंडन

हालांकि, इस तरह के दावों को लेकर उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस पहले ही अपना बयान जारी कर चुके हैं. उनका कहना है, ''बीजेपी अन्य पार्टियों में फूट नहीं डालती है लेकिन उन लोगों को नहीं रोकती है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास करते हैं और साथ आना चाहते हैं.''

'मेरी स्थिति को कोई खतरा नहीं'

महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे भी अजित पवार और एनसीपी नेताओं को शामिल किए जाने को लेकर शिवसेना में विद्रोह से साफ इनकार कर चुके हैं. उनका कहना है कि उनकी स्थिति को कोई खतरा नहीं है. वहीं, चंद्रशेखर बावनकुले भी साफ कर चुके हैं महाराष्ट्र में एकनाथा शिंदे सीएम बने रहेंगे.

क्या बोले महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष?

इससे पहले महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का भी इसे लेकर बयान आया था. उन्होंने कहा था कि हमारे साथ एकनाथ शिंदे हैं, अजित पवार हैं, हम सब मिलकर काम करेंगे. अगर कांग्रेस से कोई आता है तो हम उनका भी स्वागत करेंगे.

मुंबई में दो लोगों के हमले में घायल हुए मजदूर की मौत, एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के कलीना में 53 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई, जिसपर पिछले सप्ताह चिकन की दुकान के मालिक और उसके साथी ने कथित तौर पर हमला कर दिया था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मजदूर की शुक्रवार को नगर निकाय के अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने पिछले हफ्ते हुए हमले में शामिल दो में से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन मजदूर ने दुकानदार से उसे दिहाड़ी पर काम पर रखने के लिए कहा था, लेकिन दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। चिकन बेचने वाले ने अपने साथी के साथ मिलकर मजदूर पर लाठी से हमला कर दिया था।

सांताक्रूज इलाके की एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग
कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू, एक व्यक्ति की मौत

मुंबई : मुंबई के सांताक्रूज में एक तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। फिलहाल, आग पर काबू पा लिया गया है।

85 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

मुंबई के सांताक्रूज इलाके के एक रेजीडेंसी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई। इस हादसे में एक 85 वर्षीय नागिन लाखी नाम के बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी।

कड़ी मशक्कत के बाद बुझी आग

आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1.45 बजे मिली। सुंदर नगर इलाके में प्राइड ऑफ कलिना सोसायटी

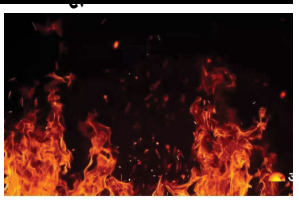

की तीसरी मंजिल पर एक बंद फ्लैट में यह आग लगी थी। आग की लपटें लकड़ी के फर्नीचर के अलावा बिजली की वायरिंग, फिटिंग और इंस्टॉलेशन तक ही फैल गई थीं। मुंबई फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचते ही पड़ोस के लोगों ने दूसरी चाबी से फ्लैट खोला। उन्होंने बिजली की सप्लाई काटी, पानी की बाल्टियां फेंकी, आग बुझाने वाले उपकरण लगाए और इसके तुरंत बाद आग पर काबू पा लिया। कथित तौर पर पीड़ित नागिन लाखी जलते हुए घर के अंदर फंसी हुई थी।

संपादकीय / लेख

खेल राजनीति का

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

राजनीति को अगर संभावनाओं का खेल कहते हैं तो इसी में यह बात निहित है कि यहां आशंकाओं का भी उतना ही जोर चलता है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण पिछले दिनों मुंबई की घटनाओं में दिखा। जितने अप्रत्याशित रूप में अजित पवार और ठउद के आठ दिग्गज महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा बन गए, वह अगर उतना अप्रत्याशित नहीं लगा तो इसीलिए कि एक साल पहले भी मिलता-जुलता घटनाक्रम हम देख चुके थे। यही नहीं, खुद अजित पवार भी चार साल पहले ऐसा ही एक अप्रत्याशित खेल दिखा चुके थे। संभावनाओं वाली बात इन सबमें शामिल थी। चार साल पहले शिवसेना, कांग्रेस और ठउद की सरकार बनने से पहले ही अगर अजित पवार ने बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस के साथ शपथ लेने का विकल्प चुना था तो उसमें उन्हें संभावनाओं के द्वार खुलते दिख रहे थे, जिसकी शुरूआत उप-मुख्यमंत्री पद से हुई थी। दिलचस्प है कि जब उस दरवाजे को बंद करते हुए वह वापस शरद पवार के पाले में लौटे, तब भी उनका उप-मुख्यमंत्री पद बना ही रहा। यानी खेल संभावनाओं वाला ही चला। आशंकाओं की ज्यादा भूमिका दूसरे और तीसरे दौर में दिखी। जब शिवसेना की चलती हुई सरकार को छोड़कर समर्थक विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे ने बीजेपी से हाथ मिलाया, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि इनाम के रूप में उन्हें मुख्यमंत्री पद मिल जाएगा।

मगर अंदाजा यह भी नहीं था कि इस पूरे खेल को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाने वाले देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री के रूप में एक पूरा कार्यकाल गुजारने के बाद शिंदे मंत्रिमंडल में बतौर उप-मुख्यमंत्री शामिल होना पड़ेगा। यहां हम आशंकाओं का जो फलित देखते हैं, वही तीसरे दौर में इस रूप में सामने आया कि इसकी सफल परिणति के बाद शिंदे तो पहले की ही तरह मुख्यमंत्री बने रहे, लेकिन फडणवीस दो में से एक उप-मुख्यमंत्री बन गए। यह आशंका बनी ही हुई है कि विभागों का बंटवारा होने पर उन्हें अपना कोई अहम मंत्रालय न छोड़ना पड़े। एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों का मूल पार्टी और नेतृत्व से झगड़ा बरकरार है जिसमें मूल नेतृत्व यह साबित करने में लगा है कि खलिहान पर चाहे जो भी काबिज हुआ हो, खेत हमारा है यानी विधायक भले चले गए हों वोटर साथ हैं। फैसला आखिरी तौर पर चुनावों के ही जरिए होगा, लेकिन आशंकाएं तो साथ बनी ही हुई हैं। आशंकाओं का एक और स्रोत इस बात में भी है कि ठउढ नेताओं के आ जाने के बाद शिंदे ग्रुप के कितने विधायकों को सत्ता में हिस्सेदारी मिल पाएगी और जिन्हें नहीं मिलेगी, उनके असंतोष का खामियाजा किसे किस रूप में भुगतना पड़ेगा। मगर जीवन की तरह राजनीति में भी राह आशंकाओं का अंधेरा नहीं खोलता, संभावनाओं और उम्मीदों की रोशनी ही यह काम करती है। और देखें तो हर आशंका के साथ उम्मीद की किरण भी टिमटिमाती दिख ही जाती है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

करतूत पर क्यों न चलाया जाए क्रिमिनल केस?

मुंबई पुलिस की लापरवाही पर बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार

मुंबई : नैशनल डिफेंस अकेडमी (एनडीए) के एक कर्मचारी के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने मेलेसियस -प्रॉसि-क्यूशन (दुर्भावनापूर्ण अभियोजन) के आरोपों का सामना कर रहे पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारी को न्यायालय की अवमानना का नोटिस जारी करते हुए उससे पूछा है कि उसकी करतूत के लिए उसे एनडीए कर्मचारी को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश क्यों न दिया जाए ? सहायक पुलिस निरीक्षक आनंद पगारे यह बताएं कि वैधानिक ड्यूटी के पालन में दिखाई गई गंभीर लापरवाही के लिए उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई क्यों न की जाए?

एनडीए कर्मचारी ने नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान पुणे के ससून अस्पताल की ओर से अपनी 41 फीसदी विकलांगता का दिसंबर, 2012 को जारी सर्टिफिकेट जमा किया था। नियोक्ता ने सर्टिफिकेट सत्यापन के लिए अस्पताल के पास भेजा था। उस समय अस्पताल ने कहा उसे सर्टिफिकेट से जुड़े रिकॉर्ड नहीं मिल रहे हैं। इसके बाद अस्पताल की रिपोर्ट के आधार पर नियोक्ता ने फर्जी सर्टिफिकेट देने के लिए कर्मचारी के खिलाफ 7 मई, 2016 को पुणे के खडकवासला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। इस बीच 4 महीने बाद अस्पताल ने 9 सितंबर, 2016 को केस के जांच अधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि सर्टिफिकेट से जुड़े रिकॉर्ड मिल गए हैं। सर्टिफिकेट सही है, लेकिन जांच अधिकारी ने इसकी अनदेखी कर आरोपी कर्मचारी के खिलाफ 27 जुलाई, 2017 को मैजिस्ट्रेट कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया।

हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

8 फरवरी, 2019 को कोर्ट ने सुनवाई के बाद पुलिस अधिकारी पगारे को याचिका के जवाब में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने पगारे को यह स्पष्ट तौर पर बताने को कहा था कि क्या उसने आरोप पत्र दायर करने से पहले अस्पताल की ओर से 9 सितंबर, 2016 के पत्र को देखा था। कोर्ट के इस निर्देश के तहत पगारे ने हलफनामा तो दायर किया, लेकिन उसने कोर्ट के उस सवाल का जवाब नहीं दिया, जो उससे पूछा गया था। इससे नाराज बेंच ने कहा कि प्रथम दृष्टया पगारे का यह कृत्य न्यायालय के अवमानना को दशार्ता है। बेंच ने केस तथ्यों के मद्देनजर एनडीए कर्मचारी के खिलाफ मामले को लेकर निचली अदालत में जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। याचिका पर अगली सुनवाई 13 जुलाई, 2023 को होगी।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से लोहे का पुल हुआ चोरी

पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बढ़कर एक हैरतअंगेज कारनामे सामने आते रहते हैं। फिलहाल मुंबई शहर में एक पुल के चोरी होने की बात सामने आयी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह पुल 6 हजार किलोग्राम वजनी और नब्बे फुट लंबा है। यह एक लोहे का पुल जिसके गायब होने की खबर फिलहाल मायानगरी में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुल के बीते महीने चोरी की बात सामने आई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। लोहे के इस अस्थाई पुल को पिछले साल जून के महीने में एक नाले के ऊपर रखा गया था। जिस पर से अडानी इलेक्ट्रिसिटी की केबल जानी थी। हालांकि, इस साल अप्रैल के महीने में एक स्थाई पुल के आ जाने से इसे हटा दिया गया था। दो लाख रुपये की कीमत वाले इस पुल को क्रेन की मदद से हटाया गया था। बीते 26 जून को अडानी इलेक्ट्रिसिटी के अधिकारी जब पुल के निरीक्षण के लिए गए तब उन्होंने पाया कि पुल गायब है। जिसके बाद पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। मामले की तफ्तीश में पुलिस ने पाया कि जहां पर यह लोहे का पुल रखा हुआ था। वहां कोई सीसीटीवी नहीं लगा था। हालांकि, बाद में पुलिस ने आसपास के दूसरे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें पुलिस को यह पता चला कि कुछ लोगों ने गैस कटर की मदद से पुल को धीरे- धीरे काट दिया और बाद में उसे लेकर चले गए। उन्होंने ने इस बात की जानकारी अडानी इलेक्ट्रिसिटी को नहीं दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गए लोगों में से एक आदमी उस कंपनी का कर्मचारी है।

मुंबई और उपनगरों में रुक रुक कर होती रही बारिश

पेड़ गिरने से एक व्यक्ति घायल

मुंबई - पिछले कुछ दिनों से मुंबई में बारिश का जोर बना हुआ था। मौसम विभाग ने पिछले दो दिनों से मुंबई में एलर्ट दिया लेकिन बारिश का जोर उतना कम रहा। बारिश का जोर कुछ हद तक उपनगर में जरूर दिखाई दिया। शुक्रवार सुबह से ही रुक रुक कर हुई बारिश से मुंबई वासियों को कोई परेशानी नहीं हुई लेकिन बारिश रुकने के कारण उमस जरूर झेलना पड़ रहा था।

कांदिवली में एक हादसा हुआ जहां पेड़ गिरने से एक शख्स घायल हो गया. दोपहर को समुद्र में इस मानसून में उठने वाली लहरों में साढ़े चार फीट से ऊंची लहरों का भी दिन था लेकिन इस दौरान बारिश नहीं होने से पानी भरने की कोई परेशानी नहीं हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भारी बारिश की आशंका जताई है.मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी थी. मनपा मानसूनी तैयारी से निपटने के लिए अपनी पूरी तैयारी राखी थे क्योंकि दोपहर 3 बजे समुद्र में 4.69 मीटर ऊंची लहरें उठने से इसी दौरान बारिश होने पर जल जमाव होने की संभावना बढ़ जाती। मुंबई और उपनगरों में सुबह के समय भारी बारिश शुरू हो गई और हवा के साथ हुई बारिश से थोड़ा जरूर परेशानी हुई लेकिन दोपहर को मौसम में गर्मी महसूस की गई।बारिश के दौरान मुंबई में पेड़ गिरने और उसकी चपेट में आने से लोगों के घायल होने का सिलसिला जारी है। मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार शुक्रवार को सुबह एक ऑटो रिक्शे पर पेड़ गिर गया जिसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति का नाम मंगेश सुर्वे है।फायर ब्रिगेड के अनुसार कांदिवली पश्चिम के ईरानवाडी एरिया में शुक्रवार की सुबह सवा नौ बजे के आसपास पेड़ गिर गया।

जुलाई के अंत तक कटौती से मिल सकती है राहत !

मुंबई को पानी देने वाली झीलों में 19 प्रतिशत का स्टॉक

मुंबईः 1 जुलाई से 10 प्रतिशत पानी कटौती का सामना कर रहे मुंबईकरों को जुलाई के अंत तक राहत मिल सकती है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी प्रशासन झीलों के जलस्तर पर नजर बनाए हुए है। झीलों में 40 से 50 प्रतिशत पानी का स्टॉक होने पर बीएमसी पानी कटौती रद्द करने पर विचार करेगी। अधिकारी ने कहा कि कोई भी निर्णय लेते समय बारिश को लेकर मौसम विभाग का अनुमान और झीलों में जलस्तर को ध्यान रखा जाएगा। खासकर ठाणे और नासिक में होने वाली बारिश का आकलन पानी कटौती रद्द करने का फैसला लेने में मददगार होगा। फिलहाल, मुंबई को पानी देने वाली झीलों में लगभग 19 प्रतिशत पानी का स्टॉक है। अधिकारी ने बताया कि मुंबई को मोडक सागर, तानसा, विहार, तुलसी, मध्य वैतरणा, भातसा, अपर वैतरणा झील से प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती है। मॉनसून देरी से सक्रिय होने के कारण हमें पानी कटौती का निर्णय लेना पड़ा था। लेकिन, 24 जून से शुरू हुई अच्छी बारिश का फायदा झीलों के जलस्तर में वृद्धि के रूप में यही है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सातों झीलों में 25 जून को उनकी कुल क्षमता का सिर्फ 6.49 प्रतिशत था। अच्छी बारिश की वजह से 1 जुलाई को झीलों में पानी का स्टॉक बढ़कर 12.85 प्रतिशत हो गया और अब 7 जुलाई को झीलों में उनकी कुल क्षमता का कागभाग 19 प्रतिशत पानी का स्टॉक हो गया है, जो काफी राहत की बात है। यदि 31 जुलाई तक झीलों में 40 से 50 प्रतिशत पानी का स्टॉक जमा हो गया, तो स्थिति की समीक्षा कर बीएमसी पानी कटौती रद्द कर सकती है। अधिकारी ने कहा कि मुंबई में भारी बारिश का पानी कटौती से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि मुंबई में पीने वाला पानी नासिक और ठाणे की झीलों से आता है। मुंबई में विहार और तुलसी झील हैं, जो छोटी हैं। मुंबई को पानी देने वाली झीलों में उतना ही पानी का स्टॉक है, जितना लगभग पिछले साल था। हालांकि, पिछले साल बीएमसी ने पानी कटौती नहीं की थी। इस बार 7 जुलाई, 2023 को मुंबई की सातों झीलों में उनकी क्षमता का 271520 एमएलडी यानी 18.76 प्रतिशत पानी जमा है। साल 2022 में समान अवधि में झीलों का वॉटर स्टॉक 276129 एमएलडी यानी कुल क्षमता का 19.08 प्रतिशत था।

चोरी कर दूसरे राज्य में भागने वाले शातिर चोर को क्राइम ब्रांच दो की यूनिट ने गोवा के होटल से किया गिरफ्तार

वसईः वसई विरार पुलिस आयुक्तलय की क्राइम ब्रांच यूनिट दो ने गोवा के एक होटल से एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया हैं जिसने माणिकपुर पुलिस स्टेशन की हद में एक घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था` पुलिस की माने तो गिरफ्तार 21 साल के चोर रोहित उर्फ चेतन शेट्टी पर मुम्बई ,पालघर ,और ठाणे के अलग अलग पुलिस स्टेशनों में दो दर्जन से ज्यादा चोरी के मामले दर्ज हैं रोहित जब भी कही चोरी की वारदात देता उसके तुंरन्त बाद वो दूसरे शहर भाग जाता ताकि पुलिस की पकड़ में ना सके ,मगर इस बार उसकी किस्मत ने उसका साथ नही दिया ,क्राइम ब्रांच दो की यूनिट ने दो महीने की कड़ी मश्कत के बाद रोहित को गोवा के एक होटल से गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए 8 लाख 65 हजार के सोने चांदी के समान और 15 हजार कैश बरामद किया हैं

मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर नमाज का वीडियो हुआ वायरल...

हम प्लेटफार्म पर महाआरती करेंगे- मनसे नेता

नवी मुंबई : नवी मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां पनवेल रेलवे स्टेशन पर कुछ लोग नमाज पढ़ते हुए नजर आ रहे हैं. रेलवे स्टेशन पर नमाज पढ़ने का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है.नमाज पढ़ने के इस वायरल वीडियो को लेकर रेलवे ने जांच करने की बात कही है. उधर नमाज पढ़ने के इस वायरल वीडियो को लेकर महाराष्ट्र नव विर्माण सेना (मनसे) के नेताओं ने कहा कि वे प्लेटफार्म पर महाआरती करेंगे.हालांकि रेलवे ने इसकी इजाजत नहीं दी है. नवी मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर नमाज से जुड़ा एक वीडियो इस समय ट्विटर पर वायरल हो रहा है. इसमें 4 से 5 लोग पनवेल रेलवे स्टेशन पर नमाज पढ़ रहे हैं.

मनसे भड़की, प्लेटफार्म पर महाआरती की दी चेतावनी

सूत्रों की माने तो वीडियो तीन दिन पुराना बताया जा रहा है. लेकिन इस वीडियो की सच्चाई की जांच जारी है. साथ ही उन लोगों की भी जो लोग रेलवे स्टेशन पर नमाज अदा कर रहे हैं. नवी मुंबई के पनवेल स्टेशन पर नमाज पढ़ने की घटना को लेकर अब स्थानीय नवी मुंबई के मनसे नेता योगेश चिले आक्रामक हो गए हैं.मनसे नेता योगेश चिले ने कहा है कि वह प्लेटफार्म पर महाआरती करेंगे. हालांकि रेलवे ने उन्हें इस बात की इजाजत नहीं दी. मनसे के दर्जनों पदाधिकारियों ने रेलवे अधिकारियों से बैठक की और महा आरती करने की मांग की. हालांकि रेलवे ने इजाजत नहीं दी.

'कुछ दिन में होंगे मजार के दर्शन'

इस बीच पनवेल रेलवे स्टेशन का ये वीडियो किसी यात्री ने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर वायरल कर दिया.वीडियो में कहा जा रहा है कि कुछ ही दिनों में यहां मजार के दर्शन होंगे. नमाज पढ़ने वाले ये लोग कौन हैं और स्टेशन पर नमाज क्यों पढ़ रहे हैं इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं. आखिर प्लेटफार्म पर नमाज पढ़ने का मकसद क्या है? रेलवे अभी इस बात को तो मान रही है कि वीडियो पनवेल स्टेशन का है, लेकिन जांच की बात कह कर कुछ कहने से इनकार कर रही है.

मंत्री बनने को तैयार बैठे विधायकों के नए सूट का क्या होगा?

महाराष्ट्र के हाल पर गडकरी की चुटकी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में जब से एनसीपी में चाचा-भतीजे की लड़ाई के बाद फूट के बाद सरकार में अजित पवार की एंट्री हुई है उसी दिन से विपक्ष के नेता इस घटनाक्रम को लेकर हमलावर हैं. महाविकास अघाड़ी में जिस तरह से सेंध लगी है उसे लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर थमा नहीं है. शिवसेना उद्धव गुट के संजय राऊत लगातार एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि अब उनकी उपयोगिता खत्म हो गई है और महाराष्ट्र को नया मुख्यमंत्री मिलेगा. कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बाकी नेता भी बीजेपी (इखढ) पर हमलावर हैं. महारास्ट्र की इस हालत पर अब नितिन गडकरी ने तंज कसा है.

नागपुर में क्या बोले गडकरी ?

नितिन गडकरी ने शुक्रवार को मजाकिया लहजे में कहा कि जो लोग मंत्री बनने के इच्छुक थे वो सब अब नाखुश हैं, क्योंकि भीड़ कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है. उन्होंने हंसते हुए कहा कि मंत्री बनने का सपना देख रहे विधायक यह नहीं जानते हैं कि उनके सिले हुए सूट का क्या होगा. नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में वो महाराष्ट्र में विधायकों के असंतोष पर बात कर रहे थे.

'विधायकों ने सिले सूट का क्या होगा'

रिपोर्ट्स के मुताबिक गडकरी ने कहा, 'अगर संतोष हो तब सब ठीक है. जैसे अगर कोई यह स्वीकार कर ले कि उसे उसकी योग्यता से अधिक मिला है तब तो वो संतुष्ट और खुश रह सकता है. नगरसेवक नाखुश हैं क्योंकि वो विधायक नहीं बने, विधायक नाखुश हैं क्योंकि वो मंत्री नहीं बने और मंत्री इसलिए भी असंतुष्ट रहते हैं क्योंकि उन्हें अच्छा मंत्रालय नहीं मिला. ऐसे में जो मंत्री बनने वाले थे उनका हाल समझा जा सकता है. वो नाखुश होंगे इसलिए सोच रहे हैं कि क्या कभी उनका नंबर आएगा? भीड़ हो गई है. वे विधायक सूट सिलवाकर शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार थे. अब सवाल यह उठता है कि उस सूट का क्या किया जाए क्योंकि वहां उम्मीदवारों की भीड़ है.' गडकरी ने आगे कहा ये भी कहा एक हॉल में उसकी क्षमता से ज्यादा लोग बैठ सकते हैं, लेकिन मंत्रालय का आकार नहीं बढ़ाया जा सकता.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : रविवार 09 जुलाई 2023

शिंदे के हाथों से क्या सरक रही सत्ता की डोर!

अजित पवार मांगे मोर?

महाराष्ट्रः महाराष्ट्र की सियासत में अजित पवार के बीजेपी गठबंधन में एंट्री के साथ राज्य में डंबल इंजन की सरकार ट्रिपल इंजन में तब्दील हो गई है. अजित पवार अपने चाचा शरद पवार से बगावत सिर्फ डिप्टी सीएम बनने के लिए नहीं की है बल्कि मुख्यमंत्री बनने की ख्वाहिश भी पाल रखी है. यह बात कोई और नहीं बल्कि खुद उन्होंने ही जाहिर की है. बीजेपी के साथ अजित पवार ने वक्ती तौर के लिए हाथ नहीं मिलाया बल्कि अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव लड़ने की रूपरेखा भी तय कर रखी है. ऐसे में सवाल उठता है कि एकनाथ शिंदे के हाथों से क्या सत्ता की डोर सरकती नजर आ रही है?

अजित पवार का सीट शेयरिंग फॉर्मूला

अजित पवार ने बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के बाद महाराष्ट्र की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है. इसके अलावा अजित पवार खेमे से एक दर्जन से ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा किया जा रहा है. बीजेपी खेमे से इन बातों का खंडन भी नहीं किया गया है. इससे यह बात साफ है कि अजित पवार ने बीजेपी के साथ दोस्ती करने से पहले ही सारे बातें तक कर ली हैं. 90 विधानसभा सीटों के पीछे अजित खेमे का तर्क यह है कि एनसीपी के 53 विधायक हैं और दो निर्दलीय का समर्थन है. इस तरह से 55 विधायक हो रहे हैं. 2019 में कांग्रेस ने एनसीपी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी, जिसमें कांग्रेस के 45 विधायक जीते थे. कांग्रेस विधायकों की जीत में एनसीपी का वोट भी शामिल रहा है. इस लिहाज से अजित पवार ने 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात सार्वजनिक रूप से कही है.

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा और 48 लोकसभा सीटें

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा और 48 लोकसभा सीटें हैं. 2019 में बीजेपी और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें बीजेपी ने 164 और शिवसेना ने 126 सीट पर चुनाव लड़ी थी. शिवसेना के टिकट पर जीते 57 विधायकों में से 40 एकनाथ शिंदे के साथ और 17 उद्धव ठाकरे के साथ हैं. शिवसेना के टिकट पर जीते 18 सांसदों में से भी 12 शिंदे के साथ हैं.अजित पवार खेमा 2024 में अगर 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगा तो शिंदे खेमा के हिस्से में कितनी सीटें आएंगी.

एकनाथ शिंदे 2019 में शिवसेना के द्वारा लड़ी गई सीटों पर दावा कर रहे हैं, लेकिन बीजेपी उन्हें सीटें दे देगी तो फिर खुद वो कितनी सीटों पर लड़ेगी. बीजेपी 164 से कम सीटों पर चुनावी किस्मत तो नहीं आजमाएगी, क्योंकि उसे सत्ता की बागडोर अपने हाथों में लेनी है. ऐसे में एकनाथ शिंदे के साथ आए हुए 40 विधायकों वाली सीटें ही बीजेपी उनके लिए छोड़ सकती है. अजित पवार के एंट्री और दावे के साथ शिंदे खेमा के लिए भविष्य की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि बीजेपी और अजित पवार की एनसीपी का समीकरण सत्ता का संयोग बना रहा है.

सीएम की कुर्सी पर अजित की नजर

अजित पवार ने बुधवार को कहा कि मैं पांच बार महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बना हूं, जो अपने आपमें एक रिकार्ड है, लेकिन सिर्फ डिप्टी सीएम बनकर ही रह गया हूं. मैं अब महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं और राज्य का नेतृत्व करना चाहता हूं. अजित पवार के बयान से एक बात साफ है कि वो अभी भले ही डिप्टी सीएम बन गए हों, लेकिन मौका मिलते ही मुख्यमंत्री पद पर दावा करेंगे. शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत और कांग्रेस नेता ने भी दावा किया है कि अजित पवार को बीजेपी ने मुख्यमंत्री बनाने का दावा किया है. इसके बाद ही अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बगावत करके बीजेपी गठबंधन में शामिल हुए हैं.

शिंदे की सदस्यता पर लटकी तलवार

उद्धव ठाकरे के हाथों से सरकार और पार्टी दोनों ही एकनाथ शिंदे ने छीन ली हो, लेकिन उन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं. महाराष्ट्र के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों की सदस्यता पर विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को फैसला लेने को कहा है. ऐसे में माना जा रहा है कि स्पीकर जल्द ही फैसला लेंगे. ऐसे में स्पीकर शिवसेना विधायकों को अयोग्य घोषित कर देते हैं तो एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा. ऐसी स्थिति में शिंदे सरकार भंग हो जाएगी, लेकिन बीजेपी अजित पवार के साथ मिलकर सरकार बना लेगी. ऐसे में देखना होगा कि सीएम की कुर्सी पर अजित पवार बैठेंगे या फिर बीजेपी का कोई दूसरा नेता.

शिंदे पर बीजेपी की निर्भरता खत्म

एनडीए में अजित पवार के एंट्री होते ही महाराष्ट्र की सियासत में बीजेपी की निर्भरता एकनाथ शिंदे से खत्म हो गई है. अजित पवार के साथ भी उतने ही विधायक हैं, जितने एकनाथ शिंदे के साथ हैं. राजनीतिक तौर पर शिंदे उस तरह से अपना प्रभाव नहीं जमा सके, जैसे बीजेपी को उनसे उम्मीदें थी. ऐसे में बीजेपी ने अजित पवार को साथ मिलाकर अपने सियासी समीकरण को मजबूत किया है. शिंदे और उनके साथ आए शिवसेना विधायकों की सदस्यता खत्म भी हो जाती है तो बीजेपी के सेहत पर असर नहीं पड़ेगा.बीजेपी अजित पवार के साथ सत्ता में बनी रहेगी और 2024 में मजबूती के साथ वापसी भी कर सकती है.

रात में चोरी करने वाले 1 महिला और 2 पुरुष को पुलिस ने किया गिरफ्तार।

मुंबई : मुंबई के कांदिवली पूर्व समता नगर पुलिस स्टेशन की हद में 17 जून को आइकॉन क्लासिक सोसायटी में रात के समय चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिसमें चोरों ने एक सोने की चेन, दो सोने के कान के रिंग और एक डायमंड के रिंग की चोरी की। जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये है। जहा पर समता नगर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया। समतानगर पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल भगत और उनकी टीम ने सूत्रों और तांत्रिक विशेषण की मदद से 1 महिला और 2 पुरुषों को अंधेरी से गिरफ्तार किया। तीनो आरोपियों के पास से 25 ग्राम सोने की रॉड, एक सोने की चेन और एक हीरे की अंगूठी बरामद की गई।

फिल्मी स्टाइल में आधा किलोमीटर तक दौड़ाकर पुलिस ने किया साइबर ठग को गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के बोरीवली पुलिस ने एक साइबर ठग को झारखंड से गिरफ्तार किया है। जो बैंक के केवाईसी के नाम पर लोगों से लाखो की ठगी किया करता था। 8 फरवरी को बोरीवली के रहने वाले फरियादी ने बोरीवली पुलिस स्टेशन में शिकायत दी कि बैंक का केवाईसी अपडेट करने के नाम पर उसके अकाउंट से 2 लाख की ठगी की गई है। जिसके बाद बोरीवली पुलिस ने साइबर ठगी का मामला दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की।

तांत्रिक विश्लेषण सूत्रों की मदद से आरोपी के झारखंड में होने का पता चला। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम बनाकर पुलिस उपनिरीक्षक कल्याण पाटिल ने स्थानीय पुलिस की मदद से गाँव बरद डुब्बा तहसील पालाजोरी जिला देवघर झारखंड ल में छापा मारा। जहां पर आरोपी हुसैन अजगर अली अंसारी (21) 14 मोबाइल लेकर बैठा हुआ था। पुलिस उपनिरीक्षक कल्याण पाटिल ने फिल्मी स्टाइल में आधा किलोमीटर दौड़ाकर आरोपी हुसैन अजगर अली अंसारी (21) को गिरफ्तार किया।

जिसके पास से 14 मोबाइल कई सिम कार्ड बरामद किए गए। आरोपी द्वारा फरियादी के एकाउंट से ट्रांसफर किए गए 2 लाख में से 1 लाख रुपये कलकत्ता बैंक के कोलकाता ब्रांच में फ्रिज कर दिया गया है। बोरीवली पुलिस आरोपी से यह जांच कर रही है कि इस ठगी में कितने लोग शामिल थे और अब तक कितने लोगों के साथ ठगी कर चुके हैं।

अजित पवार के सरकार में शामिल होने के बाद से बयानों का सिलसिला जारी,

मुख्यमंत्री शिंदे फिर दोहराई ये बात

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की शिवसेना-बीजेपी सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार के शामिल होने से उन्हें कोई खतरा नहीं है. एनसीपी प्रमुख शरद पवार के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार के विद्रोह को लेकर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जब मेहनती कार्यकताओं की उपेक्षा की जाती है तो पार्टियां टूट जाती हैं. शिंदे ने 'डीडी न्यूज' से एक साक्षात्कार में कहा, ''ऐसी चीजें तब होती हैं जब पार्टी के मेहनती कार्यकताओं की अनदेखी की जाती है. अजित पवार ने खुद कहा है कि वह शरद पवार ही थे जो पहले 2017, 2019 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ गठबंधन चाहते थे लेकिन बाद में उन्होंने 'यू-टर्न' ले लिया. '' उन्होंने यह भी बताया कि शरद पवार ने खुद 1978 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल और 1999 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ विद्रोह किया था. उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की अटकलों को खारिज करते हुए शिंदे ने कहा कि ये बेबुनियाद अफवाहें हैं और इसे लेकर उन्हें कोई चिंता नहीं है.

सीएम ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली शिवसेना और बीजेपी विचारधारा से बंधे हुए हैं. उन्होंने कहा, ''अब तीसरे सहयोगी के साथ मिलकर हमें मजबूती से काम करना है और 2024 में नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है.... हमें महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीट में से 45 से अधिक जीतनी है.'' उन्होंने कहा कि अजित पवार उनकी सरकार के विकास को लेकर किये जा रहे काम के कारण सरकार में शामिल हुए हैं. सीएम शिंदे ने कहा, ''मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया है, और अब अजित पवार के सरकार में शामिल होने से हम और मजबूत हो गए हैं. पिछले एक साल में हमारे विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में बहुत काम हुआ है.''

सरकार ठाणे जिले में 43 हजार हेक्टेयर भूमि पर मिल मजदूरों के लिए बनाएगी घर - शिंदे

मुंबई। स'ाद्री गेस्ट हाउस पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मिल मजदूरों को घरो की चाबियां देते हुए कहा कि मिल मजदूरों को मिल की साइट पर घर उपलब्ध कराने का प्रयास सरकार कर रही है। मुंबई में बंद मिलों की जमीन पर मिल मजदूरों के लिए उपलब्ध घरों की सीमित संख्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने मिल मजदूरों को अधिक घर उपलब्ध कराने के लिए ठाणे जिले के विभिन्न स्थानों में 43 हजार हेक्टेयर भूमि की खोज की है। सरकार म्हाडा के दवारा इन घरों का निर्माण कर मिल मजदूरों को घर मुहैया कराएगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बचे हुए मिल मजदूरों को घर उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार आखिरी मिल मजदूर तक को घर दिए बिना चैन से नहीं बैठेगी। पिछले 20 दिनों में मिल मजदूरों के घर की चाबियाँ देने का यह दूसरा कार्यक्रम है मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह सरकार आखिरी मिल मजदूर तक घर दिलाने के लिए कटिबद्ध है और गरीब मिल मजदूरों को घर दिलाए बिना सरकार शांत नहीं बैठेगी . उन्होंने जिस गति दे पिछेल दस दिनों से घर दिया जा रहा है उम्मीद है कि यह गति आगे भी जारी रहेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो। उन्हें खुशी है कि उन्हें उनका घर मिल रहा है लेकिन हमे इसमें और अधिक खुशी मिल रही है कि उनकी खुशी में हम भी सहभागी हो रहे है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मिलों की साइट पर मकान उपलब्ध कराने का भी प्रयास है. इसके अलावा पात्रता निर्धारित होने पर प्रमुख वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मिल की जमीन पर घर नहीं बन पाए तो सरकार अतिरिक्त आवास बनाने के लिए म्हाडा को कहेगी जिससे बाकी मजदूरों को भी आवास मिल सके. सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बकाया मिल मजदूरों को मकान उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी। शिंदे ने कहा सरकार ने आम लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए विभिन्न परियोजनाएं शुरू की हैं।उन्होंने कहा मुंबई छोड़ चुके मुंबईकरों को वापस मुंबई लाने की कोशिश कर रहे हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री अजित पवार, श्रम मंत्री सुरेश खाड़े, मिल श्रमिक समिति अध्यक्ष विधायक सुनील राणे, विधायक कालिदास कोलंबकर, प्रकाश अबितकर, आवास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वल्सा सिंह नायर , म्हाडा उपाध्यक्ष संजीव जयसवाल मुख्याधिकारी मिलिंद बोरीकर आदि उपस्थित थे।

ग्लोबल विपश्यना पैगोडा परिसर में शताब्दियों पहले बनाया श्री वांगना देवी मंदिर को किया ध्वस्त,

प्राथमिकी दर्ज, भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है: मनसे

मुंबई : मुंबई के गोराई के ग्लोबल विपश्यना पैगोडा परिसर में 150 साल पुराने स्वयंभू देवस्थानम श्री वांगना देवी मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया। पीपल का प्राचीन पेड़ भी काट दिया गया। आरोप पैगोडा के ट्रस्टियों पर लगाया गया है।

पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि ट्रस्टियों ने विध्वंस के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली थी। पैगोडा एस्सेल वर्ल्ड की भूमि पर है, जिसने इसे पैगोडा के ट्रस्टियों को सौंपा था। जबकि श्री वांगना देवी मंदिर को कई शताब्दियों पहले बनाया गया था।

हजारों भक्त इस मंदिर में नियमित रूप से पूजा करते रहे हैं। हालांकि पैगोडा बनते समय मंदिर को एस्सेल वर्ल्ड पार्किंग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया था। स्थानीय समुदाय ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी।

2019 में प्राचीन मंदिर के संरक्षण पर चर्चा के लिए पैगोडा के ट्रस्टियों, पुलिस और एस्सेल वर्ल्ड प्रशासन के बीच बैठक हुई थी। निर्णय लिया गया कि मंदिर नहीं तोड़ा जाएगा। लेकिन 14 मई को मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता हरेश सुतार ने कहा कि, मंदिर को ध्वस्त किए जाने से भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। विपश्यना पैगोडा में लोग ध्यान लगाते हैं। इसका उद्घाटन आठ फरवरी 2009 को उस समय भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने किया था।

शिंदे गुट के विधायकों की नाराजगी के बीच मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के बीच देर रात हुई मीटिंग,

इस मुद्दे पर चर्चा के आसार...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के बीच रात में दो घंटे तक चर्चा हुई. देवेन्द्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे से वर्षा आवास पर मुलाकात की. रात करीब 11:15 बजे फडणवीस वर्षा पहुंचे. फिर रात के एक बजकर चौबीस मिनट पर फडणवीस वहां से बाहर निकले. दीगर है कि इस समय महाराष्ट्र में कई राजनीतिक घटनाएं हो रही हैं. एक साल पहले शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे 40 विधायकों के साथ बगावत कर गुवाहाटी पहुंचे थे. इसके बाद उन्होंने बीजेपी के साथ सरकार बनाने का फैसला किया. इस दौरान जहां एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला वहीं देवेन्द्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने. इसके बाद अब एनसीपी के नेता और फिर विपक्ष के नेता अजित पवार ने एनसीपी में बगावत कर दी. उन्होंने कुछ विधायकों के साथ सरकार में शामिल होने का भी फैसला किया. इसमें अजित पवार पांचवीं बार फिर उपमुख्यमंत्री बने, जबकि एनसीपी के 8 अन्य सदस्यों को मंत्री बनने का मौका मिला है.

शिंदे गुट के विधायक नाराज?

शिंदे गुट के कुछ विधायक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं को मंत्री पद दिए जाने से नाराज हैं. क्योंकि उम्मीद थी कि इस कैबिनेट विस्तार में शिंदे गुट के कुछ विधायकों को मंत्री पद का मौका मिलेगा. हालांकि, एनसीपी विधायकों को मंत्री पद का मौका दिया गया.

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कह रहे हैं कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा. यह भी उम्मीद है कि रात की बैठक में इस पर चर्चा हुई होगी. यह देखना अहम होगा कि अगले कैबिनेट विस्तार में किसे मौका मिलेगा. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शिंदे और फडणवीस की कोशिश होगी कि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही जल्द से जल्द निगम-मंडल का बंटवारा कर असंतोष को भी दूर किया जाए. अगर एनसीपी सत्ता में है तो भी इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि बीजेपी और शिवसेना विधायकों के साथ कोई अन्याय न हो.

कूपर असपताल में मेडिकल कॉलेज निर्माण की लागत बढी

238 से 250 करोड़ रुपये पहुंचा खर्च...

मुंबई : मनपा में कामों का समय बढ़ाकर खर्च बढ़ाने का इस समय काम चल रहा है। पूर्व नगरसेवक आरोप लगा लगा कर थक रहे है। इसके बावजूद मनपा में खर्च बढ़ोत्तरी होने का काम रुक ही नहीं रहा है। मनपा अब विलेपार्ले स्थित कूपर अस्पताल के कोलेज बिल्डिंग का खर्च बधनया है। मनपा आयुक्त चहल ने खर्च बढ़े प्रताव की मंजूरी दी है । बता दे कि विलेपार्ले स्थित कूपर अस्पताल में बनाया जा रहा हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मेडिकल कॉलेज के भवन के निर्माण की लागत बढ़ गई है। इस मेडिकल कॉलेज उद्घाटन हो चुका है। मनपा ने मेडिकल कॉलेज के निर्माण में बढ़ी हुई लागत को नहीं दिखाया है। मनपा का कहना है कि बिल्डिंग में इलेक्ट्रिक और स्ट्रक्चरल ऑपरेशन और रखरखाव को शामिल किया गया है जिससे लागत 12 करोड़ रुपये बढ़ गई है। अब मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कुल लागत 238 करोड़ रुपये से बढ़कर 250 करोड़ हो गई है। मनपा ने कूपर अस्पताल परिसर में एक नए मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण किया गया है। अप्रैल 2022 में इस मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग का उद्घाटन भी हो चुका है। इस काम के लिए डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर सेल ने टेंडर जारी किया था। वर्ष 2018 में इस काम के लिए 238 करोड़ का टेंडर जारी किया गया था। बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है और अब कुछ छोटे-मोटे काम बाकी हैं। लेकिन अब डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर ने निर्माण लागत में बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव में बिल्डिंग को पांच साल तक रख रखाव की शर्त भी शामिल की गई है। प्रशासन का कहना है कि पुराने टेंडर में पांच साल तक इलेक्ट्रिक और स्ट्रक्चरल ऑपरेशन और रखरखाव की लागत शामिल नहीं थी। इसलिए बढ़ी हुई लागत का प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजा गया है।

पीएम ने गोरखपुर में वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई

गीता प्रेस के समारोह में बोले- यह ट्रस्ट नहीं, आस्था है, किताबों से घर-घर में संस्कृति पहुंचाई

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गोरखपुर दौरे पर पहुंचे। गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गोरखपुर जंक्शन से पीएम मोदी ने वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन अयोध्या होते हुए लखनऊ तक चलेगी। वंदे भारत ट्रेन को रवाना करने के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे। वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने से रेल यात्रियों में काफी उत्साह देखा गया।

इसके पहले गीता प्रेस के कार्यक्रम में पीएम ने कहा, ÷गीता प्रेस विश्व का ऐसा इकलौता प्रिंटिंग प्रेस है, जो सिर्फ संस्था नहीं, बल्कि जीवंत आस्था है। मानव मूल्यों को बचाने के लिए गीता प्रेस जैसी संस्थाएं जन्म लेती हैं। गीता प्रेस का कार्यालय करोड़ों-करोड़ लोगों के लिए किसी मंदिर से कम नहीं है। पीएम ने कहा, इसके नाम और काम में भी गीता है। जहां गीता है वहां साक्षात् कृष्ण भी हैं। वहां करुणा है, ज्ञान का बोध भी है, हां विज्ञान का शोध भी है। यहां सब वासुदेवमय है। यहां की किताबों ने घर-घर में संस्कृति और विरासत पहुंचाई।

पीएम ने कहा- इस बार का मेरा गोरखपुर का दौरा विकास भी-विरासत भी की नीति का अद्भुत उदाहरण है। गीता प्रेस के इस कार्यक्रम के बाद मैं गोरखपुर रेलवे स्टेशन जाऊंगा। आज से ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का काम भी शुरू होने जा रहा है। पीएम ने कहा- वंदे भारत ट्रेन ने देश के मध्यम वर्ग को सुविधा और सहूलियत की एक नई उड़ान दी है। आज देश के कोने-कोने से नेता मुझे चिट्ठियां लिखकर कहते हैं कि हमारे क्षेत्र से भी वंदे भारत ट्रेन चलाइए। ये वंदे भारत का क्रेज है।

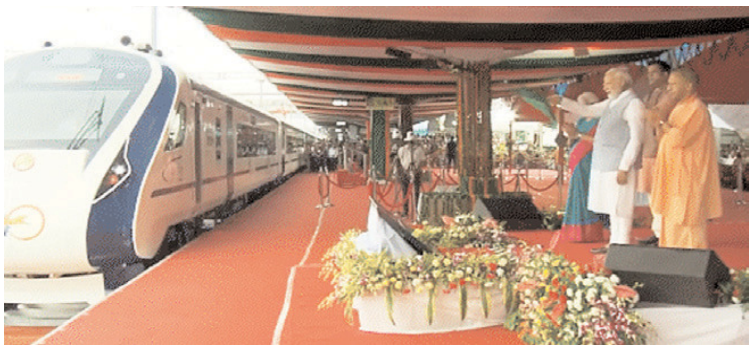

गीता प्रेस ने समर्पित नागरिकों का निर्माण किया

उन्होंने कहा- मुझे बताया गया कि गांधी जी ने सुझाव दिया था कि कल्याण पत्रिका के लिए विज्ञापन न लिया जाए। आज भी कल्याण पत्रिका गांधी जी के सुझाव का पालन कर रही है। गीता प्रेस से करोड़ों किताब प्रकाशित हो चुकी हैं। ये किताब लागत से कम मूल्य पर बिकती हैं। घर-घर पहुंचाई जाती है। आप कल्पना करिए कितने ही लोगों को इन किताबों ने कितने समर्पित नागरिकों का निर्माण किया। मैं ऐसे लोगों को प्रणाम करता हूं।

छत्तीसगढ़ को एटीएम समझती है कांग्रेसः मोदी

गंगा जी की झूठी कसम खाकर 36 वादे किए, हजारों करोड़ का शराब घोटाला कर दिया

रायपुर। प्रधानमंत्री शुक्रवार रायपुर पहुंचे और साइंस कॉलेज ग्राउंड से 7 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री के साथ मंच पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनसुख मांडविया भी मौजूद थे।प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा- आज जिन योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया गया है, उससे छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और बेहतर होगी। प्रधानमंत्री ने इसके बाद साइंस कॉलेज ग्राउंड में ही भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। मोदी ने कहा- छत्तीसगढ़ का निर्माण भाजपा ने किया है। यहां के लोगों को भाजपा ही समझती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने गंगा जी की झूठी कसम खाई। शराबबंदी समेत 36 वादे किए, लेकिन वादे पूरे नहीं किए। हजारों करोड़ का शराब घोटाला कर दिया। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और कुशासन का मॉडल है।

कांग्रेस का पंजा छत्तीसगढ़ को लूट-लूट कर बर्बाद कर देगा

छत्तीसगढ़ वह राज्य है, जिसके निर्माण में भाजपा की प्रमुख भूमिका रही है। भाजपा ही छत्तीसगढ़ के लोगों को समझती है, उनकी जरूरतों को जानती है। छत्तीसगढ़ के विकास के सामने एक बहुत बड़ा पंजा दीवार बनकर खड़ा हो गया है। ये कांग्रेस का पंजा है, जो आपसे आपका हक छीन रहा है। इस पंजे ने ठान लिया है कि वह छत्तीसगढ़ को लूट-लूट कर बर्बाद कर देगा। गंगा जी की झूठी कसम खाने का पाप कांग्रेस ही कर सकती है।

केरल में ब्रेन इंफेक्शन से 1 मौत

नाक से शरीर में घुसता है दिमाग खाने वाला अमीबा, अधिकारी बोले- दूषित पानी से न नहाएं

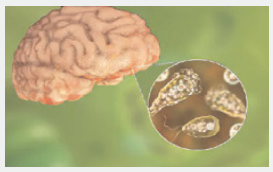

तिरुवनंतपुरम। केरल के अलप्पुझा में दूषित पानी में रहने वाले फ्री लिविंग अमीबा के कारण एक 15 साल के लड़के की मौत हो गई। गुरुदत्त नाम का यह लड़का 10वीं का स्टूडेंट था। उसे प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस इंफेक्शन हुआ था। इससे गुरुदत्त को बुखार और दौरे पड़े थे। जांच में इंफेक्शन का पता चला था।

राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को बच्चे की मौत के बारे में जानकारी दी। साथ ही लोगों को चेतावनी दी है कि वे दूषित पानी में नहाने से बचें, क्योंकि ये अमीबा नाक के जरिए शरीर में घुस जाता है। गुरुदत्त 1 जुलाई से अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एडमिट था। बाद में पता चला था कि पनावली में एक झरने में नहाने के बाद वह इसकी चपेट में आ गया था।

केरल में पिछले सालों में मिले 5 मामले

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि अमीबा रुके हुए पानी में होता है और नाक की पतली त्वचा से घुस जाता है। यह कोई संक्रामक बीमारी नहीं है।

चाटुकारिता करने और तलवे चाटने की संस्कृति चलन हावीः वीरेंद्र सिंह

रीवा। एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह बघेल पूर्व अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ रीवा ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि राजनीति मे सत्तापक्ष हो या विपक्ष, संस्था या नौकर सरकारी हों या गैर-सरकारी, विभाग कोई भी हो, सभी जगह कर्तव्यों के निर्वहन के नाम पर शक्तिसंपन्न लोगों के चाटुकारिता करने और तलवे चाटने की संस्कृति चलन है, राजनीति हो या संस्था ऐसे ही लोगों को मलाईदार पद प्राप्त हो रहा है।

एक कहावत है जब राजा होवे चोर सिपाही क्या कर लेगा। वर्तमान परिवेश मे अधिसंख्य लोगों के दिलो-दिमाग मे भ्रष्टाचार से धन अर्जित करने की प्रवृत्ति बन चुकी है। समाज भी ऐसे ही लोगों को महत्व देकर उन्हे सम्मानित करने लगा है, सो भ्रष्टाचार बढ़ेगा ही, इसे रोक पाना कठिन है। राजनीति मे तो क्या अजब-गजब हो रहा है, भ्रष्टाचार की गंगोत्री हो गई है। भ्रष्टाचार से धन अर्जित करो, लूट-खसोट करो दल बदल कर गाँधी बन जाओ और चीख-चीख कर

गाँधी को गाली दो तो महान हो जाओ ऐसी परिपाटी चल रही है। ऐसा ही कुछ हाल सरकार के तलवे चाट कर, आकंठ भ्रष्टाचार मे डूबे बड़े अधिकारियों का भी है, वह सेवानिवृत्त के बाद जनसेवक बन जाते हैं और भ्रष्टाचार से कमाये हुए धन का कुछ भाग राजनीतिक दलों के बड़े ओहदेदार को देकर उस दल का टिकट हथिया लेते है और जनता का वोट खरीद कर माननीय हो जाते है। ऐसे परिवेश मे सत्ता परिवर्तन से व्यवस्था परिवर्तन की कल्पना करना बेमानी है, और अपने मन को बहलाने जैसा है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित शिक्षकों का एक सप्ताह का वेतन काटने का आदेश

मुरैना। मुरैना में स्कूली शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय स्कूलों में शिक्षक ही नहीं आ रहे हैं। गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी एके पाठक ने 4 स्कूलों का औचक निरीक्षण किया जिसमें शिक्षक नदारद मिले। नदारद मिलने वाले शिक्षकों का एक-एक सप्ताह का वेतन काटने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

बता दें कि नवीन शिक्षण सत्र चालू हो चुका है। शिक्षण सत्र चालू होने के बाद स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है लेकिन मुरैना के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षक नहीं आ रहे हैं। इस बात का पता लगाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एके पाठक ने 4 स्कूलों का औचक निरीक्षण किया इसमें शिक्षक पूरी तरीके से गायब रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने गायब रहने वाले सभी शिक्षकों का एक-एक सप्ताह का वेतन काटने का आदेश जारी कर दिए हैं।

इन स्कूलों में गायब मिले शिक्षक: शासकीय हाई स्कूल चंबल गुड़ा गांव में 6 शिक्षकों की नियुक्ति है लेकिन औचक

निरीक्षण के दौरान यहां पर एक भी शिक्षक मौजूद नहीं था। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी एके पाठक ने स्कूल में मौजूद सभी 6 शिक्षकों का एक-एक सप्ताह का वेतन काटने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक विद्यालय पटेल का पुरा गांव में शिक्षक नदारद थे। इस स्कूल के सभी शिक्षकों का 1 सप्ताह का वेतन काटने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक विद्यालय गांव जतावर मैं स्कूल प्रभारी हेमंत कुमार शुक्ला तथा शिक्षक कृपाशंकर नाराज का साथ सात दिवस का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए हैं। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक विद्यालय देवरी में भी तमाम अव्यवस्था पाई गई यहां छात्र संख्या बहुत कम थी स्कूल में गंदगी बहुत ज्यादा थी तथा भोजन वितरित नहीं किया गया था इस मामले में भी संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दोपहर 12.20 बजे शासकीय प्राथमिकत विद्यालय जतावर पहुंचे। जहां संस्था प्रभारी हेमंत कुमार शुक्ला और कृपाशंकर नगाईच अनुपस्थित पाये गये।

विद्यालय की छात्रा करीनाए मानवी ने बताया कि 5 और 6 जुलाई को मध्याह्न भोजन नहीं दिया गया। छात्र संख्या भी कम थी। अनुपस्थित दोनों शिक्षकों का सात.सात दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी दोपहर 12.45 बजे शासकीय प्राथमिक विद्यालय पटेल का पुरा पहुंचेए जहां विद्यालय बंद पाया गया। विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सात.सात दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये।

नगर परिषद की लापरवाही से नागरिकों में आक्रोश

14 करोड़ की मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना फेल ,नलों से आ रहा गंदा बदबूदार पानी

पलेरा। मुख्यमंत्री पेयजल योजना के लिए 14 करोड़ की राशि के सार्थक परिणाम नहीं निकले। महज विभाग के कागजों में संचालित मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना नगर में 24 घंटे तो दूर 2 घंटे भी पानी की व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पाई है। नगर में पेयजल की किल्लत और वर्तमान हालातों को देखते हुए जनता में आक्रोश बना हुआ है।

पलेरा नगर के नागरिक इन दिनों दूषित पानी की वजह से परेशान हैं। नगर पंचायत के द्वारा घरों पर लगे सरकारी नलों में दूषित पानी सप्लाई किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्रों में रह रहे लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर के वार्डों में सप्लाई में आने वाला पानी पीने के लायक नहीं है। नागरिकों ने बताया कि नगर पंचायत में शिकायत करने के बावजूद भी सुनवाई नहीं हुई है। भीषण उमस और गर्मी के चलते नगर के 15 वार्डों में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। नगर पंचायत क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को बाहर से खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है। पानी के लिए नगर पंचायत जल कर वसूलता है, फिर भी लोग इस गर्मी के मौसम में साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। गंदा, मटमैला और बदबूदार पानी सप्लाई किए जाने की वजह से लोगों में नगर पंचायत के खिलाफ नाराजगी है। नागरिकों ने बताया कि दूषित पानी पीने से बीमारियों का खतरा बना रहता है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। नगर के लोगों की शिकायत है कि बरसात में भी पानी सप्लाई का यही हाल रहता है, जिसके चलते लोगों को मजबूरी में बाजार से पानी खरीदकर पीना पड़ता है। गंदा पानी सप्लाई की समस्या को लेकर नगर परिषद एवं पार्षदों का कोई ध्यान नहीं है। नगर परिषद पलेरा के वार्ड नंबर 11 में गंदगी का साम्राज्य फैला है जगह-जगह नालियां भरी पड़ी हुई हैं वार्ड नंबर 11 वासियों के द्वारा मांग की गई है कि जल्दी वार्ड की सफाई की जाए।

विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, सीएमओ नवनीत पाण्डे ने किया शहर के विभिन्न नाले, नालियों व जल भराव की स्थिति का निरीक्षण

व्यापारियों से चर्चा कर उनकी समस्या का निराकारण हेतु तत्काल सीएमओ ने अधिकारी वा कर्मचारियों को आदेश दिए

नर्मदापुरम /संवाददाता/ शेख जावेद / नपा सीएमओ नवनीत पाण्डे ने हाका दल की बैठक कर हाका दल के प्रभारी को दिए आदेश की बरसात के मौसम में मवेशी मुख्यमार्ग में सूखे एरिया में बैठकर आवागमन में बाधा बन रहे है।जिससे शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही ऐसी स्थिति दोबारा ना हो। हाका दल की ड्यूटी को दो भाग में बाट दिया गया। एक टीम दिन व दूसरी टीम रात में मवेशी को शहर के मुख्यमार्ग से भगाने व पकड़ने का काम करेंगी। इससे बाद भी शहर में इसी प्रकार स्थिति पाई जाती है तो सीएमओ द्धारा हाकादल के प्रभारी घनश्याम यादव के ऊपर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

देश के 7 हाईकोर्ट को मिलेंगे नए मुख्य न्यायाधीश

कॉलेजियम ने की सिफारिश

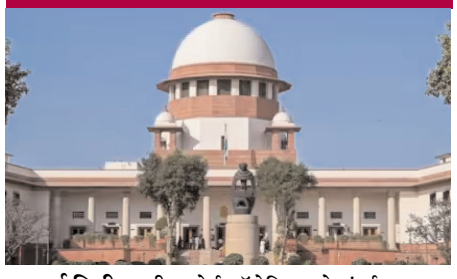

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने बंबई, गुजरात, तेलंगाना, केरल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और मणिपुर उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश केंद्र सरकार से की है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल को मणिपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा इस कॉलेजियम में जस्टिस ?संजय किशन कौल और संजीव खन्ना भी शामिल हैं।

सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश करने वाले शीर्ष अदालत के पांच-सदस्यीय कॉलेजियम ने केंद्र सरकार से तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां और केरल में उनके समकक्ष न्यायमूर्ति एस वेंकटनारायण भट्टी को शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के रूप में पदोन्नत किए जाने की सिफारिश की है। कॉलेजियम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस देवेन्द्र कुमार उपाध्याय को बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति करने की सिफारिश की है। साथ ही, कॉलेजियम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल को गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति करने की सिफारिश की है।

लुधियाना में ट्रिपल मर्डर

बुजुर्ग मां और बेटा-बहू की गला दबाकर हत्या, एक ही कमरे में मिली तीनों लाशें, गैस सिलेंडर खुला छोड़ा

लुधियाना। लुधियाना में एक ही परिवार के 3 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। थाना सलेम टाबरी के अधीन न्यू जनकपुरी में ये सनसनीखेज वारदात हुई है। वारदात का पता सुबह 10 बजे लगा, जब दूध देने वाला उनके घर आया। किसी ने भी दूध लेने के लिए दरवाजा नहीं खोला। शक होने पर उसने पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर तीन लाशें पड़ी हुई थीं। इनमें 2 बेड पर और एक उसी कमरे में नीचे फर्श पर पड़ी थी।

मरने वालों की पहचान चमन लाल, उनकी पत्नी सुरिंदर कौर और मां बचन कौर के तौर पर हुई है। इनकी उम्र 70 से 90 साल के बीच में है। इनके बच्चे विदेश में रहते हैं। पड़ोसियों का कहना है कि कल पूरा दिन परिवार के तीनों लोग घर से बाहर नहीं निकले थे। ऐसे में माना जा रहा कि यह कत्ल 5 जुलाई की शाम को हुआ है।

उन्होंने कहा कि घर के अंदर के सारी कुंडियां बंद थीं। बाहर जाने का कोई रास्ता भी नहीं है तो ऐसे में समझ नहीं आ रहा कि कातिल अंदर कैसे गया?। इसके अलावा घर के अंदर के गैस सिलेंडर भी खुले छोड़े गए थे। सूत्रों के मुताबिक 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

कर्नाटक में फ्री बस टिकट पाने के लिए हिंदू शख्स ने पहना बुर्का, ऐसे पकड़ाया

बेंगलुरु। गुरुवार को कर्नाटक के धारवाड़ जिले में एक अजीब घटना हुई। एक बस स्टॉप पर बुर्का पहने एक हिंदू व्यक्ति को पकड़ा गया। वीरभद्रैया मठपति नामक व्यक्ति ने कर्नाटक सरकार की शक्ति योजना के तहत मुफ्त बस यात्रा करने के लिए बुर्का पहना था। वीरभद्रैया बस स्टॉप पर अकेले बैठा था तभी यात्रियों की नजर उस पर पड़ी और उन्हें शक होने लगा। उसने दावा किया कि उसने भीख मांगने के लिए बुर्का पहना था। हालांकि, वीरभद्रैया के जवाब से लोग संतुष्ट नहीं हुए। लोगों का शक और गहरा गया कि वह शक्ति योजना के तहत मुफ्त बस टिकट प्राप्त करने के लिए यह भेष अपनाया था। वीरभद्रैया के पास एक महिला के आधार कार्ड की फोटोकॉपी भी थी।

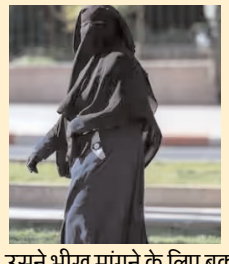

ओडिशा ट्रेन हादसे में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

सेक्शन इंजीनियर आमिर खान समेत तीन गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा में पिछले महीने की शुरुआत में हुए ट्रेन हादसे में शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी (CBI) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान, अरुण कुमार मोहंता और टेक्नीशियन पप्पू कुमार की आईपीसी की धारा 304 और 201 के तहत गिरफ्तारी हुई है।

गौरतलब है कि दो जून को बालासोर जिले के बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी और दो एक्सप्रेस ट्रेने दुर्घटना की शिकार हो गई थीं जिनमें पश्चिम बंगाल के शालीमार से चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक खड़ी हुई मालगाड़ी शामिल थी।

इस हादसे में 293 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पीएम नरेंद्र मोदी भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। रेल हादसे के बाद मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीबीआई से जांच करवाने की घोषणा की थी। इसके बाद इस मामले में सीबीआई ने केस दर्ज किया था और जांच करने के लिए बालासोर भी पहुंची थी। एक अधिकारी ने बताया था कि सीबीआई मानवीय भूल, कोरोमंडल एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की जानबूझकर की गई कोशिश और किसी भी बाहरी फैक्टर्स सहित सभी एंगल से जांच की जाएगी।

वहीं, जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने पाया था कि हादसे की मुख्य वजह गलत सिग्नलिंग थी। समिति ने इस मामले में सिग्नलिंग एवं दूरसंचार (एस एंड टी) विभाग में कई स्तरों पर चूक को रेखांकित किया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : रविवार 09 जुलाई 2023

आलिया भट्ट ने 'सासू मां' को बताया 'क्वीन', नीतू कपूर को पार्टी में खली बहू-पोती की कमी

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर 8 जुलाई 2023 को अपना 65वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस को चाहने वाले जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। उनकी बहूरानी आलिया भट्ट ने भी अपनी सासू मां को खास अंदाज में बर्थडे विश कया है। आलिया भट्ट और नीतू कपूर की बॉन्डिंग से कौन वाकिफ नहीं है। दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने का एक भी मौका नहीं गंवाती हैं। नीतू के 65वें जन्मदिन पर आलिया ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। फोटो में नीतू ब्लैक टॉप में गॉर्जियस लग रही हैं।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए आलिया ने अपनी सासू मां को क्वीन कहते हुए कैप्शन में लिखा,

सास को खुश करने के लिए गोलगप्पे बनाती हैं कियारा

कियारा आडवाणी ने कहा कि सिद्धार्थ मल्होत्रा की मां यानी उनकी सास को पानी पूरी काफी पसंद है। वे अक्सर सासू मां को इंप्रेस करने के लिए उन्हें पानी पूरी खिलाती हैं। इसके लिए वे खुद अपने हाथों से पानी पूरी बनाती हैं।

कियारा ने कहा कि उनकी शादी में पानी पूरी का एक अलग स्टॉल लगा था। अभी उनकी सासू मां दिल्ली से मुंबई आई हुई हैं। कियारा का कहना है कि वो ये श्योर करती हैं कि जब भी सिद्धार्थ की मां मुंबई आएं। उन्हें सबसे पहले पानी पूरी ही खाने को मिले। कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी फिल्म सत्य प्रेम की कथा के प्रमोशन में बिजी हैं। मिर्ची प्लस के साथ एक रिसेंट इंटरव्यू में कियारा ने कहा- मेरी मदर इन लॉ को पानी पूरी बेहद पसंद है। वे अभी हमारे साथ मुंबई में ही रह रही हैं। जब वे पहले दिन आईं तो मैंने घर पर ही पानी पूरी बनाई। मुझे पता था कि वे इससे खुश हो जाएंगी। पानी पूरी देख कर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कियारा ने कहा कि उन्हें खुद भी पानी पूरी काफी पसंद है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में अलग-अलग तरह की पानी पूरी मिलती हैं, उन्हें इन सभी जगहों की पानी पूरी काफी पसंद है। कियारा ने कहा कि उनकी शादी में सासू मां की पसंद को देखते हुए पानी पूरी का एक अलग स्टॉल भी लगा दिया गया था। जाहिर है कि पानी पूरी या गोलगप्पों को सिर्फ आम लोग ही पसंद नहीं करते। ये एक ऐसा स्ट्रीट फूड है जिसे सेलिब्रिटी भी काफी ज्यादा पसंद करते हैं। कई एक्टर्स और एक्ट्रेस समय-समय पर पानी पूरी को लेकर अपना प्रेम जाहिर कर चुके हैं।

'मुझे खाना बनाने में दिलचस्पी नहीं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। हुमा अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में सहायक भूमिका निभाने के बाद से काफी मशहूर हो गई थीं। इसके बाद भी हुमा ने कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभाकर अपने फैंस को चौंका दिया था। ओटीटी पर आई अभिनेत्री की वेब सीरीज महारानी में एक कुशल गृहिणी और राजनेता बनकर भी हुमा ने फैंस के दिलों पर राज किया है। मोनिका ओ माई डार्लिंग में एक खतरनाक महिला की भूमिका निभाई है और अब वह मशहूर शेफ तरला दलाल की बायोपिक में नजर आने वाली हैं। हुमा कुरैशी तरला दलाल की बायोपिक में रसोई की रानी, कुकबुक लेखक और कुकिंग शो की मेजबान तरला दलाल की भूमिका निभाते नजर आने वाली हैं। एक इंटरव्यू में हुमा ने बताया कि मुंबई आकर एक्ट्रेस बनने के बाद खाने के साथ उनका रिश्ता कैसे बदल गया। इससे उनकी बॉडी पर भी असर आया और बॉलीवुड में एक दशक लंबे करियर में भी बदलाव आया। हुमा ने बताया कि जब उनको फिल्म ऑफर की गई तो उन्होंने कहा कि कास्टिंग गलत है। मैं उनसे बहुत लंबी हूं, वह तो एक गुजराती महिला थीं, मैं तो कभी गुजरात या महाराष्ट्र में नहीं रही। मैं 10-11 साल पहले मुंबई आई ही थी। बाद में अश्विनी अय्यर, नितेश तिवारी और निर्देशक पीयूष गुप्ता के साथ चर्चा के बाद समझ में आया कि हमें तरला जी की नकल नहीं करनी बल्कि उनके सार को पकड़ना था। हुमा ने आगे कहा, मुझे खाना बनाने में कभी दिलचस्पी नहीं रही है, मुझे सिर्फ खाने में दिलचस्पी है। मैं एक खाद्य परिवार से आती हूं, क्योंकि मेरे पिता का रेस्टोरेंट का बिजनेस है और मेरी मां एक मजेदार रसोइयां हैं। इसलिए मुझे लगता है कि लोगों की मेजबानी करना और उन्हें खाना खिलाना मेरे लिए बहुत स्वाभाविक है।

संघर्ष के दिनों को याद कर भावुक हुए आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी फिल्मों के अलावा अपनी सिंगिंग को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। फैंस अभिनेता की फिल्मों को भी काफी पसंद करते हैं, लेकिन हर सफलता के पीछे एक बड़ा संघर्ष छुपा होता है। किसी भी सफल कहानी के पीछे व्यक्ति का निजी अनुभव छुपा होता है। कुछ यही कहानी आयुष्मान खुराना की भी है। अभिनेता को भी इंडस्ट्री में अपने पैर जमाने के लिए एक कठिन राह से होकर गुजरना पड़ा था। अब हाल ही में, आयुष्मान ने अपने संघर्ष के दिनों को याद कर कुछ किस्से साझा किए हैं।

भेदभाव का सामना कर चुकी हैं ऋचा

ऋचा चड्ढा अली फजल संग पिछले साल शादी के बंधन में बंधी थीं। शादी के बाद से वह एक भी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। हालांकि अभिनेत्री ने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई है। हालांकि की बार ऐसा भी हुआ है जब ऋचा को फिल्मी दुनिया में भेदभाव का भी सामना करना पड़ा है। ऋचा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया है कि उनकी पहली ही फिल्म में अभिनेत्री के साथ भेदभाव हुआ था, जिसका उनको काफी बुरा लगा था। इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने कभी भेदभाव का सामना किया है। इसके जवाब ने ऋचा ने पूरा किस्सा बताया। ऋचा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा कई बार हुआ है। मेरी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैंने बुरा महसूस किया है। मैं ओए लकी, लकी ओए की शूटिंग के दौरान सीधे कॉलेज से आकर शूट करती थी। तब मुझे 103-104 फीवर हुआ करता था। किसी ने मुझसे कहा था कि अभी यह जो वैनिटी है, उसका कलाकार देरी से आने वाला है और मुझे पूरे दिन शूट करना है, तो मैं तैयार होकर आ जाऊं।' ऋचा ने आगे बताया, 'जब मैं सेट पर तैयार होकर गई। तो बाद में मेरा उपयोग किया हुआ सामान किसी ने फेंक दिया था। जबकि, वह सामान भी मेरा नहीं था। मेरा कुछ भी नहीं था। वह सब कंपनी का था। उन्होंने वह सब फेक दिया। लिपस्टिक खराब हो गई। किसी का आईना टूट गया। मुझे बहुत बुरा लगा। मुझे लगा, यह कैसे कर सकते हैं।'

बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली फजल फिल्म निर्माता भी बन चुके हैं। उन्होंने सेट पर इक्वलिटी बनाए रखने पर भी बात की है। 'हम इसे लेकर विवाद नहीं करते कि कौन अच्छे होटल में रुकेगा और कौन बुरे में रुकेगा। जहां सब लोग रुकते हैं। वही मैं भी रुकती हूं और अली भी वही रुकता है। हम ऐसा महसूस नहीं कराते कि हम बहुत बड़े हैं। इसके अलावा, हम कलाकारों को समय देते हैं फिर चाहे वह एक या दो दिन के लिए हो या पूरी फिल्म में मेन लीड हो।'

माधुरी 'अंडररेटेड एक्टर': काजोल

फिल्म एक्ट्रेस काजोल ने माधुरी दीक्षित की सराहना की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड की किसी एक्ट्रेस का नाम बताएं जो कि अंडररेटेड है। इस पर उन्होंने माधुरी दीक्षित का नाम लिया है। दरअसल उन्हें लगता है कि माधुरी दीक्षित को जितने वैरायटी वाले रोल्स मिलने चाहिए थे, उतने नहीं मिले हैं। एक्ट्रेस काजोल इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज और फिल्म का प्रमोशन कर रही है। इस दौरान वह जमकर इंटरव्यू भी दे रही है। अब उनसे पूछा गया कि एक ऐसे कलाकार का नाम बताइए जो कि अंडररेटेड है। इसके बाद, उन्होंने माधुरी दीक्षित का नाम लिया है। गौरतलब है कि 1990 के दशक में दोनों एक-दूसरे की भूमिकाओं के लिए लड़ती रहती थीं। दोनों ने भी अपने कैरियर के पीक पर शादी की।

काजोल ने कभी भी माधुरी दीक्षित के साथ काम नहीं किया है। हालांकि, उनके पति अजय देवगन में माधुरी के साथ कई फिल्मों में काम किया है। हालिया फिल्म टोटल धमाल है। इस फिल्म में माधुरी की जोड़ी अनिल कपूर के साथ है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उनसे पूछा गया कि एक ऐसी अंडररेटेड एक्टर का नाम बताइए, जिन्हें उतने रोल नहीं मिले, जितने मिलने चाहिए थे। इस पर काजोल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर वैरायटी ऑफ रेंज की बात की जाए तो वह अंडररेटेड एक्टर माधुरी दीक्षित होगी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .